29	॥ उष्ट ॥ क्वयपाकः पुनश्चरः ॥ दभ्भ ॥	4
30	म्रमृतं यज्ञशेषे स्या- । निर्धाना विस्पानार्थं विद्यानार्थं नुष्ट	7
31	॥ १९७ ॥ निद्धियसा भुक्तशेषके । जन्मनि जनमि ।	. 3
32	पद्मानो प्रसन् प्रात्नणं च नाच वारा । अपूर्ण जिल्ला च नाच प्राप्त ।	
33	पूर्त वाप्यादी- मुनानिक विपक्ष	8
34	॥ ०६० ॥ मिना हि संबिक्रिया ॥ ८३८ ॥	e
35	इष्टापूर्त तड्डभयं - जानां : जिङ्	0:
36	बर्क्सिष्टिस्तु विष्टरः।	
37	म्रियिक्वाचिचाक्तिया-	22
38	॥ १६५ ॥ विवासिर्त्तणम् ॥ द३५ ॥	85
39	म्रयाधानमधिक्षेत्रं	1
40	र्वी तु घृतलेखनी।	25
41	क्रीमाग्रिस्तु मक्छवाला मक्वीरः प्रवर्गवत्॥ द३६॥	
42	ल्हामधूमस्तु निगणा । एज्ञाङ्ग नेपष्टा तेष्ट्रा एक हु ॥ इ	
43	व्हामभरम तु वैष्टुतम् । हिन्हि	
44	उपस्पर्शस्वाचमनं	
45	tag and Opfer (?) महिला मिन्स मिन्स मिन्स के प्राप्त के किंद्र है। एउंट मिन्स के किंद्र के प्राप्त के किंद्र है। एउंट मिन्स मिनस मिन्स मि	ms
29. Gekochte, zum Brandopfer bestimmte Speise (2 W.) 30		

29. Gekochte, zum Brandopfer bestimmte Speise (2 W.). — 30. Ueberbleibsel eines Opfers (2 W.). — 31. Ueberbl von Speisen (2 W.). — 32. Beschluss eines Opfers (2 W.). — 33. Fromme Werke, wie das Graben eines Teiches u. s. w. — 34. Darbringung von Opfern. — 35. Beides verbunden. — 36. Handvoll heiligen Grases. — 37. Der das heilige Feuer unterhält (3 W.). — 38. 39. Pflege des Opferfeuers (3 W.). — 40. Löffel zum Rühren der Butter. — 41. Das zum Brandopfer bestimmte Feuer (4 W.). — 42. Rauch des Brandopfers. — 43. Asche des Brandopfers. — 44. Spülen des Mundes (2 W.). — 45. Besprengen des Feuers mit Butter